## A Summary of the manuscripts and their hiatuses in Scrivener's <br> A Full And Exact Collation Of About Twenty Greek Manuscripts Of The Holy Gospels (1853)

Graham G. Thomason. www.FarAboveAll.com
Originally published on 6 May 2010. Minor changes 19 April 2018, 16 March 2023.

## Identification of the manuscripts

| Scriv. abbrev. | Scrivener's designation | Gregory <br> Aland | Scriv. number | $\begin{aligned} & \text { Con- } \\ & \text { tent } \\ & \hline \end{aligned}$ | Notes |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| a | Lambeth 1175 | 470 | $509^{\text {e }}$ | e |  |
| b | Lambeth 1176 | 471 | $510^{\text {e }}$ | e |  |
| c | Lambeth 1177 | 472 | $511^{\text {e }}$ | e |  |
| d | Lambeth 1178 | 473 | $512^{\text {e }}$ | e |  |
| e | Lambeth 1179 | 474 | $513{ }^{\text {e }}$ | e |  |
| f | Lambeth 1192 | 475 | $515^{\text {e }}$ | e |  |
| g | Lambeth 528 | 71 | $71^{\text {e }}$ | e | = Ephesus, Wetstein 71 |
| h | Arundel 524 | 476 | $566{ }^{\text {e }}$ | e |  |
| j | Cotton, Titus C. xv. | 022, N | N | e | = Purpureus, but only a small part. Most of the rest is in St. Petersburg. |
| k | Lebanon, | 478 | $575^{\text {e }}$ | e | = Brit. Mus. Addit. 11300 |
| 1 | Wordsworth | 479 | $\begin{aligned} & 542^{\mathrm{e}}, \\ & 188^{\mathrm{a}}, 258^{\mathrm{p}} \end{aligned}$ | eapc |  |
| m | Butler 2 | 201 | $\begin{aligned} & 201^{\mathrm{e}}, 91^{\mathrm{a}}, \\ & 104^{\mathrm{p}}, 94^{\mathrm{r}} \end{aligned}$ | eapcr | = Brit. Mus. Addit. 11837 |
| n | Burney 18 | 480 | $\begin{aligned} & 568^{\mathrm{e}}, \\ & 259^{\mathrm{p}} \end{aligned}$ | eapc |  |
| o | Burney 19 | 481 | $569{ }^{\text {e }}$ | e |  |
| p | Burney 20 | 482 | $570^{\text {e }}$ | e |  |
| q | Theodori | 483 | $\begin{aligned} & 543^{\mathrm{e}}, \\ & 187^{\mathrm{a}}, 257^{\mathrm{p}} \end{aligned}$ | eapc |  |
| r | Burney 21 | 484 | $571{ }^{\text {e }}$ | e |  |
| S | Burney 23 | 485 | $572^{\text {e }}$ | e |  |
| t | Lambeth 1350 | 486 | $517^{\text {e }}$ | e |  |
| u | C4 of Todd | 487 | $516^{\text {e }}$ | e | Bennett's collation is Lambeth 1255 |
| v | Lambeth 1180 | 488 | $514^{\text {e }}$ | e |  |
| x | Arundel 547 | $\ell 183$ | 257 evst | e | Uncial lectionary |
| y | Burney 22 | $\ell 184$ | 259 evst | e | Minuscule lectionary |

## Hiatuses (as noted by Scrivener)

| ms | a | b | c | d | e | f | g | h | j | k | 1 | m $\mathbf{n}$ | n | 0 | p | $\mathbf{q} \mathbf{r}$ | r | S | t | $\mathbf{u}$ | v | $\mathbf{x}$ | y | vs | Total |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 101 | 111 | 121 | 13 | 14 | 151 | 161 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 |  |  |
| Matt 1 | 1-13a |  |  | 1-7 | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | $\begin{array}{c\|} \hline 1-7 \\ 8-13 \mathrm{a} \\ 13 \mathrm{~b}-\mathrm{e} \end{array}$ | $\begin{aligned} & 17 \\ & 18 \\ & 19 \end{aligned}$ |
| Matt 2 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 19 |
| Matt 3 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 19 |
| Matt 4 |  |  | all |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 18 |
| Matt 5 |  |  | all |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 18 |
| Matt 6 |  |  | $\begin{gathered} 1-6 \\ \langle 7-22\rangle \end{gathered}$ |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | $\begin{aligned} & 1-6 \\ & 7-\mathrm{e} \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 18 \\ & 19 \end{aligned}$ |
| Matt 7 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 19 |
| Matt 8 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 19 |
| Matt 9 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 19 |
| Matt 10 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 19 |
| Matt 11 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | $\langle 4,7\rangle$ |  | 1-e | 19 |
| Matt 12 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 19 |
| Matt 13 |  |  |  |  | 1-52 |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | $\begin{aligned} & \hline 1-52 \\ & 53-\mathrm{e} \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \hline 19 \\ & 20 \end{aligned}$ |
| Matt 14 |  |  |  |  |  |  | <13-e $\rangle$ |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 15 |  |  |  |  |  |  | <1-16> |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 16 |  |  |  |  | 28-e |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | $\begin{array}{\|l\|} \hline 1-27 \\ 28-\mathrm{e} \\ \hline \end{array}$ | $\begin{aligned} & 20 \\ & 19 \\ & \hline \end{aligned}$ |
| Matt 17 |  |  |  |  | 1-18 |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | $\begin{array}{\|l\|} \hline 1-18 \\ 19-\mathrm{e} \\ \hline \end{array}$ | $\begin{aligned} & \hline 19 \\ & 20 \\ & \hline \end{aligned}$ |
| Matt 18 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 19 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 20 |  |  | [21-e] |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 21 |  |  | [1-12] |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 22 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 23 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 24 |  |  |  |  | 39-e |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | $\begin{array}{\|l\|} \hline 1-38 \\ 39-\mathrm{e} \end{array}$ | $\begin{aligned} & 20 \\ & 19 \end{aligned}$ |
| Matt 25 |  |  |  |  | 1-9 |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | $\begin{gathered} 1-9 \\ 10-\mathrm{e} \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 19 \\ 20 \\ \hline \end{array}$ |
| Matt 26 |  |  |  |  | 71-e |  |  |  | $\left\|\begin{array}{c} 1-56 \\ 66-\mathrm{e} \end{array}\right\|$ |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | $\begin{gathered} \hline 1-56 \\ 57-66 \\ 66-70 \\ 71-\mathrm{e} \end{gathered}$ | 20 21 20 19 |


| ms | a | b | c | d | e | f | g | h | j | k | 1 | m | n | 0 | p | q | r | S | t | $\mathbf{u}$ | v | x | y | vs | Total |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 1-14 | 19 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  | 1-25 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 15-25 | 20 |
| Matt 27 |  |  |  |  | 1-14 |  |  |  | 35-e |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 26-34 | 21 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 35-e | 20 |
| Matt 28 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |


| Mark 1 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  | 1-e | 21 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Mark 2 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  | 1-e | 21 |
| Mark 3 |  |  |  |  |  | [6-21] |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  | 1-e | 21 |
| Mark 4 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | 17-e |  |  | $\begin{aligned} & 1-16 \\ & 17-\mathrm{e} \end{aligned}$ | 21 20 |
| Mark 5 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | $1-\mathrm{e}$ | 20 |
| Mark 6 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 7 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 8 |  |  |  |  | $32-\mathrm{e}$ |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | $\begin{aligned} & \hline 1-31 \\ & 32-\mathrm{e} \end{aligned}$ | 20 19 |
| Mark 9 |  |  |  |  | 1-9 |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | $\begin{gathered} \hline 1-9 \\ 10-\mathrm{e} \end{gathered}$ | 19 |
| Mark 10 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 11 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 12 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 13 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | $1-\mathrm{e}$ | 20 |
| Mark 14 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 15 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 16 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |


| Luke 1 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all all | all |  |  | 1-e | 19 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Luke 2 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 3 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 4 |  |  | 29-e |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all all | all |  |  | $\begin{aligned} & 1-28 \\ & 29-\mathrm{e} \end{aligned}$ | 19 18 |
| Luke 5 |  |  | $\begin{gathered} 1, \\ 17-33 \end{gathered}$ | [30-e] |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  | 22-e a | all all | all |  |  | $\begin{gathered} 1 \\ 2-16 \\ 17-21 \\ 22-33 \\ 34-\mathrm{e} \\ \hline \end{gathered}$ | $\begin{aligned} & 18 \\ & 19 \\ & 18 \\ & 17 \\ & 18 \end{aligned}$ |
| Luke 6 |  |  |  | [1-4] |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  | all | all all | all |  |  | 1-e | 18 |
| Luke 7 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  | all | all all | all | <28,29> |  | 1-e | 18 |
| Luke 8 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  | all a | all all | all |  |  | 1-e | 18 |
| Luke 9 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  | 1-32 | all all | all |  |  | $\begin{aligned} & \hline 1-32 \\ & 33-\mathrm{e} \\ & \hline \end{aligned}$ | 18 19 |


| ms | a | b | c | d | e | f | g | h | j | k | 1 | m | n | 0 | p | $\mathbf{q}$ | $\mathbf{r}$ | s | t | $\mathbf{u}$ | v | $\mathbf{x}$ | y | vs | Total |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Luke 10 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 11 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | 31-e | all a | all | all |  |  | $\begin{aligned} & \hline 1-30 \\ & 31-\mathrm{e} \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 19 \\ & 18 \end{aligned}$ |
| Luke 12 |  |  |  |  |  | [48-e] |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all a | all | all |  |  | $1-\mathrm{e}$ | 18 |
| Luke 13 |  |  |  |  |  | [1-2] |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | 1-25 |  | all | all |  |  | $\begin{aligned} & 1-25 \\ & 26-\mathrm{e} \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 18 \\ & 19 \\ & \hline \end{aligned}$ |
| Luke 14 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all a | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 15 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all a | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 16 |  |  | $24-\mathrm{e}$ |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | $\begin{aligned} & 1-23 \\ & 24-\mathrm{e} \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 19 \\ & 18 \end{aligned}$ |
| Luke 17 |  |  | 1-13 |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | 24-e | all a | all | all |  |  | $\begin{array}{\|c\|} \hline 1-13 \\ 14-23 \\ 24-\mathrm{e} \\ \hline \end{array}$ | 18 19 18 |
| Luke 18 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | 1-4 | all a | all | all |  |  | $\begin{aligned} & \hline 1-4 \\ & 5-\mathrm{e} \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \hline 18 \\ & 19 \\ & \hline \end{aligned}$ |
| Luke 19 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 20 |  |  | 19-41 |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | $\begin{array}{\|c\|} \hline 1-18 \\ 19-41 \\ 42-\mathrm{e} \\ \hline \end{array}$ | $\begin{aligned} & 19 \\ & 18 \\ & 19 \\ & \hline \end{aligned}$ |
| Luke 21 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 22 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 23 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 24 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all a | all | all |  |  | 1-e | 19 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| John 1 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  | [11-13] | 1-e | 20 |
| John 2 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |
| John 3 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |
| John 4 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | $1-\mathrm{e}$ | 20 |
| John 5 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |
| John 6 |  |  | 51-e |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | $\begin{aligned} & 1-50 \\ & 51-\mathrm{e} \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 20 \\ & 19 \end{aligned}$ |
| John 7 | (53-e) |  | all |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all 1 | 1-52 |  |  | $\begin{aligned} & 1-52 \\ & 53-\mathrm{e} \end{aligned}$ | $\begin{gathered} 19 \\ 20^{*} \end{gathered}$ |
| John 8 | (1-11) |  | 1-2 |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | 15-e |  | all | 12-e |  |  | $\begin{gathered} 1-2 \\ 3-11 \\ 12-14 \\ 15-\mathrm{e} \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 20^{*} \\ 21^{*} \\ 20 \\ 19 \\ \hline \end{gathered}$ |
| John 9 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| John 10 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | all |  |  | 1-e | 19 |



## Notes

In the manuscript columns, "e" denotes the end of the chapter, e.g. $37-e$ means verses 37 to the end of the chapter.
A range such as $1-13 a$ means from verses 1 to the first part of verse 13. A range such as $13 b-e$ means from the second part of verse 13 to the end.

* John 7:53-8:11, the pericope de adultera, for internal variational purposes, requires using the manuscripts containing it:
- without note of suspicion: cdefgh*opqrst, also with obelisks klmn, also in margin $\mathbf{a}^{* *}$, with peculiarities $\mathbf{v}$ (total 18 , but hiatus $\mathbf{c} 7: 53-8: 2$ ).
- These omit it (not as a hiatus): a*bxy (4).
- Hiatus (not omission) ju (2).

See extra entry at end of table.
\# John 20:19-e: Scrivener's introduction gives $\mathbf{x}$ as having a hiatus here, but his collation quotes $\mathbf{x}$ throughout (6 times in all). Perhaps this is a second hand. We count codex $\mathbf{x}$ as a witness here.

## Brackets:

- Round brackets, (...): a second hand complementing an omission. This concerns John 7:53-8:11, dealt with above.
- Square brackets, [...]: a second hand complementing $a$ hiatus. We count the second hand as an extra witness, remembering not to increment the total number of witnesses. (In such cases, Scrivener does not use * and ** notation - he uses italics - so we are not particularly in danger of inadvertently incrementing the total number of witnesses).
- Angle brackets, $\langle\ldots):$. a comment that could affect legibility/availability, but we assume the witness is present.
- codex $\mathbf{g}$ : where Traheron's witness covers the now missing sheet.
- codex $\mathbf{0}$ : we take the erased last half page of John as still legible (verses affected not specified).
- codices cx: where torn, but we assume they are legible.

Where there is mention of a first hand $\left(^{*}\right)$ and second hand $\left(^{(* *}\right)$ in situ, or where a lectionary has a double but conflicting witness (indicated e.g. by e.g. ysemel), we count each as one witness (remembering to increase the total number of witnesses, except in the bracket cases mentioned above). We count a double witness of the same reading in the same document as one witness (indicated by Scrivener by e.g. ybis).

Codex u: it seems to be based on Bennet's "miserably incompetent" collation of Matthew and Mark only. Options on how to use u in our counting:

- Ignore it completely. This complicates the counting, throws away what could be good evidence.
- Only count explicit mention of it (since the indictment is that its silence is untrustworthy). This would bias against TR, since support for TR would not be counted.
- Treat it like any other manuscript. This could bias towards TR, as overlooked deviations from TR would be counted as supporting the TR.
- Be explicit where Scrivener is explicit, 17+u/20

For simplicity, we treat it like any other manuscript, and refer our reader to Scrivener in cases where the reader would like the detail. Where $\mathbf{u}$ is in a small group of witnesses for the TR, so obtained by elimination of witnesses reading otherwise, we remark that $\mathbf{u}$ is very doubtful.

Codices $\mathbf{j}$ (now part of codex N, Purpureus) and $\mathbf{x}$ (now lectionary $l$ 183) are in uncials.

